an>

Title: Regarding plight of orphans in the country.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे आज के भौतिकतावादी और निरन्तर संवेदनहीन होते समाज में अनाथ बच्चों की दयनीय दशा के सम्बन्ध में एक अतिमहत्वपूर्ण लोक विषय को उठाने की अनुमति दी है, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं।

महोदया, आज देश में लगभग चार लाख बच्चे अनाथ हैं जो रेलवे स्टेशनों और बस स्टेंडों पर लावारिस हालत में पड़े रहते हैं। इनमें से ज्यादातर बच्चे कूड़ा-करकट बीनना, ढाबों पर या अन्य छोटे-मोटे कार्य करके अपना परिवार चलाते हैं। दिल्ली के एक शैक्षणिक संगठन के अनुसार 51 हजार बच्चे सड़कों पर रहते हैं, जिनमें से 20 प्रतिशत लड़कियां हैं। इनमें से 70 प्रतिशत के तो यहां रिश्तेदार भी हैं। लेकिन उन रिश्तेदारों ने उनको घर से बाहर निकाल दिया है। मात्र दस प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं, जिनका अपना कोई नहीं है। इनमें से 20 परसेंट बच्चे कूड़ा-करकट बीनने का काम करते हैं। 15 परसेंट बच्चे भीख मांगने का काम करते हैं और पचास परसेंट बच्चे यौन शोषण का शिकार होते हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट के अनुसार लगभग हर साल 44 हजार बच्चे लापता होते हैं, जिनमें से केवल 11 हजार का ही पता चल पाता है। यूएन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत मानव तस्करी का बहुत बड़ा बाजार बन चुका है। वर्ष 2009 से 2011 के बीच में 1 लाख 77 हजार 660 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 1 लाख 22 हजार 190 बच्चों का ही पता चला। 55 हजार से भी ज्यादा बच्चे अभी भी लापता हैं और इनमें से 64 परसेंट यानी 35,615 लड़कियां हैं। गृह मंत्रालय की मानव तस्करी विरोधी इकाइयों द्वारा वर्ष 2011 से अब तक देश में लगभग चार हजार बचाव अभियान चलाए गए। इनमें से सिर्फ 13,742 पीड़ितों को ही बचाया जा सका है।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सरकार ऐसे बच्चों का सर्वे कराए, उनका पंजीयन कराए और एक सम्पूर्ण नीति अनाथ बच्चों के सम्बन्ध में बनाए जाने की आवश्यकता है, जिसमें राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग समन्वित रूप से ऐसे अनाथ बच्चों के कल्याण के लिए उनको रोजगारपरक शिक्षा, उनके आवास की व्यवस्था और उनके जीवनयापन के लिए कार्य करने का प्रयास करेंगी।

माननीय अध्यक्ष :

डॉ. किरीट पी. सोलंकी को डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।